

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय अंतर्महाविद्यालय युवा महोत्सव

समूह-2 (2024-25)

प्रतिवेदन

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय अंतर्महाविद्यालय युवा महोत्सव समूह-2 वर्ष 2024-25 राजकीय महाविद्यालय करसोग मंडी मे 23 अक्टूबर 2023 से 26 अक्टूबर 2023 तक आयोजित किया गया। इस युवा महोत्सव में वल्लभ राजकीय महाविद्यालय ने भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। मंडी महाविद्यालय के 20 छात्र-छात्राओं ने इस युवा महोत्सव की 6 प्रतियोगिताओं मे अपनी प्रतिभा को दिखाया। जो निम्न हैं-

- 1 शास्त्रीय गायन
- 2 लोक गीत।
- 3 गाज़ल
- 4 भारतीय समूह गीत
- 5 पाश्चात्य एकल गीत
- 6 लोक वाद्य वृंद

उपरोक्त सभी प्रतियोगिताओं मे सभी छात्र-छात्राओं ने बेहतरीन प्रस्तुतियाँ दी। शास्त्रीय गायन प्रतियोगिता मे मंडी महाविद्यालय की छात्रा अंजली बंसल (स्नातक तृतीय वर्ष अनुक्रमक- 22MUS 001) ने बेहतरीन प्रस्तुति के दम पर निर्णायक मण्डल को प्रभावित करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। विजेता छात्र के साथ संगतकार के रूप में तानपूरा पर प्रोफेसर अनुपमा शर्मा और तबला पर श्री राजेश कुमार ने अपनी भूमिका निभाई।

प्रतिभागियों के नाम

S.N.	Name	Class	Roll No.
1	DHARAM DASS	B.A. 1 ST YR	24HIS 221
2	KARTIK KUMAR	B.A. 2 ND YR	23TTM009
3	RAHUL	B.A. 2 ND YR	22MUS006
4	HARISH	B.A. 1 ST YR	24HIS310
5	MOHIT KUMAR	B.A. 1 ST YR	24MUS 009
6	MUKESH	B.A. 1 ST YR	24MUS 011
7	GULSHAN	B.A. 1 ST YR	24MUS 007
8	PRIYANKA	B.A. 1 ST YR	24MUS 004
9	BANITA THAKUR	B.A. 2 ND YR	23-MUS-004
10	SAKSHAM KAUSHIK	B. A. 2 ND YR	23MUS001
11	POOJA DEVI	B.A. 2 ND YR	23-ENG-035
12	ANJALI BANSAL	B.A. 3 RD YR	22MUS 001
13	HITESH	B.A. 1 ST YR	24 MUS 002
14	EKTA	B.A. 1 ST YR	24 MUS 001
15	ANKIT	B.A. 1 ST YR	24 HIS 149
16	NIKITA BHARDWAJ	B.A. 3 RD YR	22 POL 312
17	YASH GAUTAM	B.A. 3 RD YR	22 POL 240
18	BHANU PRIYA	B.A. 3 RD YR	22MUS 008
19	ADITYA	B.SC. 2 ND YR	3059
20	ANKUSH KUMAR	B.A. 2 ND YR	22 POL 284



वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी

महाविद्यालय केन्द्रीय छात्र संघ सांस्कृतिक कार्यक्रम "उत्सव" 2024

प्रतिवेदन

वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी में महाविद्यालय केन्द्रीय छात्र संघ द्वारा 12 वर्ष बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम 'उत्सव' का आयोजन करवाया गया। यह आयोजन 27-28 नवंबर 2024 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की आयोजक समिति निम्न है –

संयोजक-डॉ० हेम राज राणा

आयोजक समिति- प्रो० अर्चना, प्रो० ज्योत्सना, प्रो० अनुपमा, प्रो० बंदना, प्रो० संतोष (नृत्य) प्रो० निर्मल सिंह, प्रो० बलबीर सिंह, प्रो० ज्योति (ज़ूलॉजी), प्रो० मोनिका (बी.एड.)।

महाविद्यालय केन्द्रीय छात्र संघ- किरना (प्रधान), समृति (उप-प्रधान), मीरा (सचिव), अमृता (संयुक्त सचिव)।

इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धाएँ करवायी गई, जो निम्न हैं –

- | | |
|---------------------|---------------------------------|
| 1 एकल लोक गायन | 7 एकल उपशास्त्रीय नृत्य |
| 2 एकल बॉलीवुड गायन | 8 समूह लोक नृत्य |
| 3 एकल भजन | 9 स्किट |
| 4 एकल ग़ज़ल | 10 माइम |
| 5 एकल बॉलीवुड नृत्य | 11 मिमिक्री |
| 6 एकल लोक नृत्य | 12 पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता |

इन सभी प्रयोगिताओं के लिए महाविद्यालय में शिक्षकों द्वारा 15-20 नवंबर के बीच प्रतियोगिताओं के नियम एवं शर्तों के तहत छात्र-छात्राओं के ऑडिशन लिए गए। ऑडिशन में चयनित विद्यार्थियों ने ही प्रतियोगिताओं में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। इन उपरोक्त प्रतियोगिताओं के लिए महाविद्यालय के लगभग 300 विद्यार्थियों ने ऑडिशन दिया जिनमें से लगभग 100 विद्यार्थी चयनित हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ सेवानिवृत् प्राचार्य रमेश चंद रवि, स्थानीय महाविद्यालय के प्राचार्या प्रोफेसर सुरिना शर्मा और महाविद्यालय केंद्रीय छात्र संघ के मनोनीत सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। संगीत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा वंदे मातरम् प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् महाविद्यालय प्राचार्या द्वारा मुख्यतिथि को पुष्ट गुच्छ भेट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद प्राचार्या ने अपने स्वागत वक्तव्य में मुख्यतिथि का स्वागत किया तथा इस कार्यक्रम को 12 वर्ष बाद पुनः शुरू करने के लिए शिक्षकों, महाविद्यालय केंद्रीय छात्र संघ के सदस्यों तथा विद्यार्थियों को बधाई दी। तत्पश्चात् महाविद्यालय केंद्रीय छात्र संघ प्रधान किरना द्वारा इस कार्यक्रम में मुख्यतिथि, शिक्षकों तथा सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। इसके पश्चात् मुख्यतिथि ने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ साथ अन्य सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में बढ़चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आरंभ भजन प्रतियोगिता से किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर सभी को भक्ति के रंग में रंग दिया। इस पश्चात् संगीत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा समूह लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके बाद एकल लोक नृत्य प्रतियोगिता करवायी गई। इसी प्रकार क्रमशः समूह लोक नृत्य, मिमिक्री, एकल बॉलीवुड गीत, एकल लोक गीत, उपशास्त्रीय नृत्य और एकल बॉलीवुड नृत्य प्रतियोगिताएँ चली।

'उत्सव' कार्यक्रम के दूसरे दिन का शुभारंभ मुकीयतिथि के रूप में सेवानिवृत प्राचार्य शुक्ला शर्मा (संगीत विभाग) द्वारा किया गया। संगीत विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। महाविद्यालय केंद्रीय छात्र संघ उप-प्रधान समृति द्वारा इस कार्यक्रम में मुख्यतिथि, शिक्षकों तथा सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। प्रतियोगिताओं की लड़ी को आगे बढ़ाते हुए पहली प्रतियोगिता उपशास्त्रीय नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों से शुरुआत हुई। इसी क्रम में एक के बाद करके अन्य प्रतियोगिताएं हुईं जैसे - एकल लोक गीत, समूह लोक नृत्य, परमप्रिक वेशभूषा, एकल बॉलीवुड गीत, स्किट, माइम, एकल बॉलीवुड नृत्य, एकल लोक नृत्य और समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता। इन प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल के रूप में निम्न सदस्यों ने अपनी भूमिका निभायी-

गायन प्रतियोगिताओं के लिए निर्णायक मंडल

- 1 प्रो० दीपक गौतम (राजकीय महाविद्यालय रिवालसर)
- 2 प्रो० अनुपमा शर्मा
- 3 प्रो० निर्मल सिंह

नृत्य प्रतियोगिताओं के लिए निर्णायक मंडल

- 1 सेवा निवृत प्रो० ललिता चौहान
- 2 प्रो० दीपाली अशोक
- 3 प्रो० संतोष कुमार
- 4 प्रो० सुमन भारद्वाज
- 5 प्रो० अदिति

पारम्परिक वेशभूषा, स्किट, माइम और मिमिक्री प्रतियोगिताओं के लिए

निर्णायक मंडल

- 1 प्रो० राधिका जमवाल
- 2 प्रो० अंजू बाला
- 3 प्रो० ज्योति ठाकुर

4 प्रो० ज्योत्सना

5 प्रो० ज्योति

6 प्रो० बलबीर सिंह

मंच संचालन (शिक्षक)-

1 प्रो० हेमराज राणा

2 प्रो० अर्चना शर्मा

3 प्रो० ज्योत्सना

मंच संचालन (विद्यार्थी)

1 शालू और शुभांगी

2 रूप सिंह और लकी

सांस्कृतिक कार्यक्रम 'उसत्व' प्रतियोगिता की अंतिम प्रस्तुति के पश्चात पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ, जिसमें प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। एकल लोक गायन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर क्रमशः प्रियंका स्नातक कला प्रथम वर्ष, चन्द्र शेखर स्नातक कला प्रथम वर्ष और कृष्ण स्नातक कला प्रथम वर्ष रहे। एकल भजन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मुकेश राज बीएड तृतीय सत्र रहे। एकल गज़ल गायन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर क्रमशः साहिल डोगरा बीएड तृतीय सत्र, एकता स्नातक कला प्रथम वर्ष और कुसुमा देवी स्नातक कला प्रथम वर्ष रहे। एकल बॉलीवुड नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर क्रमशः भावक्षिति प्रथम, श्वेता और नमन द्वितीय, अंजलि और ज्योति तृतीय रहे। एकल लोक नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर क्रमशः गगनदीप कौर, हर्ष लता और कनु प्रिया रहे। उपशास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर क्रमशः कशिश प्रथम स्थान पर स्नातक कला तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर इशू

सातक कला तृतीय वर्ष, माही स्नातक वाणिज्य द्वितीय वर्ष और ज्योति स्नातक तथा कृतिका स्नातक विज्ञान तृतीय वर्ष रहे। एकल बॉलीवुड गीत प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर क्रमशः बनिता स्नातक कला द्वितीय वर्ष, वंशिका सोनी स्नातक वाणिज्य द्वितीय वर्ष और पायल स्नातक कला प्रथम वर्ष रहे। समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर क्रमशः न्यू गर्ल हॉस्टल ग्रुप, प्राची एंड ग्रुप और तृतीय स्थान पर श्वेता और समूह रहा। प्रहसन (स्किट) में श्रेष्ठ अभिनय का पुरस्कार प्रतिभा (स्नातक) को दिया गया। माइम में श्रेष्ठ अभिनय का पुरस्कार कृतिका को दिया गया। मिमिक्री में श्रेष्ठ अनुकरण (मिमिक्री) पुरस्कार मोहित स्नातक कला प्रथम वर्ष को दिया गया। परम्परिक वेशभूषा प्रतियोगिता में मिस उत्सव 2024 का खिताब श्रेया बग्गा के सिर सजा। प्रथम उपविजेता (फर्स्ट रनर-अप) कशिश रही। द्वितीय उपविजेता (सेकंड रनर-अप) ज्योति रही। मिस ब्यूटीफुल लताशा ठाकुर रही और मिस श्रेष्ठ परिधान (बेस्ट ड्रेसड) दामिनी रही।

पुरस्कार वितरण समारोह के पश्चात् मुख्यतिथि ने अपने वक्तव्य में विजेताओं को बधाई दी तथा पुरस्कृत न होने होने वाले विद्यार्थियों को निराश और हताश न होकर भविष्य में और अधिक मेहनत कर पुरस्कार प्राप्त करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया। मुख्यतिथि ने अपने वक्तव्य में यह भी कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत सहायक है और ऐसे कार्यक्रम हर वर्ष महाविद्यालय में आयोजित होने चाहिए। मुख्यातिथि ने महाविद्यालय की प्राचार्या सुरीना शर्मा, महाविद्यालय केंद्रीय छात्र संघ और समस्त शिक्षक वर्ग को इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु बधाई दी। तत्पश्चात् कार्यक्रम का समापन विधिवत् रूप से राष्ट्रीय-गान से किया गया।





धन्यवाद
